

दूरसंचार असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र, प्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर के जरूरत है। मध्यप्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर के विकास के लिए यहां आने सेक्टर के विकास के लिए निवेशकों को हर संभव सहयोग करेगी। आप बेझिझक सरकार को अवगत कराएंगे। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर प्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर का विस्तार होगा और सेवाएं भी बेहतर होंगी।

प्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर का विस्तार होगा और सेवाएं भी बेहतर होंगी।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्तममौ कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, एमपीआईडीसी के एमडी श्री चंद्रमौली शुकला, केन्द्रीय दूरसंचार विभाग के डीजी श्री अनिल भारद्वाज, डायरेक्टर श्री गणेश चंद्रा, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क सेक्टर में निवेश करने के इच्छुक कम्पनी डिक्सन के अध्यक्ष श्री अतुल बी. लाल, **शेष पृष्ठ 5 पर**

करने वाले प्रदेश के चयनित सार्वजनिक सेवकों (अधिकारियों) मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से नित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव भी अवार्डियों को उनके द्वारा गए नवाचारों के लिए बधाई एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रेषित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक कुशल सार्वजनिक सेवा वह होता है, जो न केवल लोगों के नियमों, उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता की कठिनाइयों एवं समस्याओं को समझे और उन्हें दूर समझाना भी प्रदान करे। उन्होंने सभी सार्वजनिक सेवकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की तत्पर सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शासन को जनकल्याण की दिशा में अधिक प्रभाव बनाने की ओर अग्रसर करे। हमारे कामों और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। इसलिए सभी लोक सेवक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और लोक जवाबदेही की भावना को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव समानाग्र प्रशासन श्री संजय दुबे, नरोहा शेष पृष्ठ 5 पर

शांति और प्रेम की आवाज : पोप फ्रांसिस के निधन पर विश्व नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

में समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ : पीएम मोदी

नई दिल्ली(आईएनएस)। पोप फ्रांसिस के निधन के समाचार से दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। विश्व नेताओं ने उन्हें अपनी श्रद्धांजली दी और उन्हें ऐसे शख्स के रूप में याद किया जो गरीबों, कमजोरों के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा। पोप फ्रांसिस का निधन सोमवार (21 अप्रैल) सुबह वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके निवास स्थान पर हुआ वह 88 वर्ष के थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि उनका ‘दिल दुनिया भर के उन लाखों ईसाइयों के लिए दुखी है जो उनसे प्यार करते हैं। वेंस इस समय भारत में है और उन्होंने ईस्टर संडे (20 अप्रैल) को पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी। वेंस ने एक्स पर लिखा, कल उन्हें देखकर मुझे खुशी हुई, हालांकि वह स्पष्ट रूप से बहुत बीमार थे। लेकिन मैं उन्हें हमेशा कोविड के शुरुआती दिनों में



दिए गए उनके प्रवचन के लिए याद रखूंगा। यह वास्तव में बहुत सुंदर था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, उन्होंने

कैथोलिक चर्च से परे, लाखों लोगों को अपनी विनम्रता और कम भाग्यशाली लोगों के प्रति शुद्ध प्रेम से प्रेरित किया। पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने पोप फ्रांसिस को एक अच्छे, गर्मजोशी से भरे

और संवेदनशील व्यक्ति के रूप में याद किया। मिश्र के राष्ट्रपति अब्दुल फ्ताह अल-सीसी ने कहा कि पोप फ्रांसिस ‘शांति, प्रेम और करुणा की आवाज थे।’ स्विस् राष्ट्रपति केरिन केलर-सटर ने कहा कि पोप फ्रांसिस एक महान आध्यात्मिक नेता और शांति के अथक समर्थक थे।

कमोजर लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एक गहरी विरासत छोड़ गए पोप फ्रांसिस

स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा: मैं पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। शांति, सामाजिक न्याय और सबसे कमोजर लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एक गहरी विरासत छोड़ गई है। इतालवी

प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा, यह खबर हमें बहुत दुख देने वाली है। उन्होंने बयान में कहा, मुझे उनकी दोस्ती का सौभाग्य मिला।

मेलोनी ने कहा, उन्होंने एक बार फिर दुनिया से दिशा बदलने के लिए साहत दिखाने को कहा, एक ऐसे मार्ग पर चलने के लिए कहा जो ‘नष्ट नहीं करता, बल्कि ठीक करता है, सुरक्षित करता है। उनकी शिक्षा और उनकी विरासत कभी खत्म नहीं होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें विनम्र व्यक्ति को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें विनम्र व्यक्ति में खड़ा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

उन्होंने कहा, पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में हमेशा याद रखेंगे।

भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद रहेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने में खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की उम्मीद जगाई। मुझे उनके साथ हुई मुलाकातें बहुत अच्छी तरह याद हैं और मैं समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

पोप फ्रांसिस ने मृत्यु से एक दिन पहले सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों श्रद्धालुओं को ‘हेप्पी ईस्टर’ की शुभकामनाएं दी थीं। बेसिलिका की बालकनी से 35,000 से अधिक लोगों की भीड़ को ईस्टर की शुभकामनाएं देने के बाद, फ्रांसिस ने अपने पारंपरिक ‘उर्बी एट ओर्बी’ (‘शहर और दुनिया के लिए’) आशीर्वाद को पढ़ने का काम एक सहयोगी को सौंप दिया।

उन्होंने भाषण में कहा , धर्म की स्वतंत्रता, विचार की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरों के विचारों के प्रति सम्मान के बिना शांति नहीं हो सकती है। उन्होंने चिंताजनक यहूदी-विरोध और गाजा में ‘नाटकीय और नृंदनीय’ स्थिति की भी निंदा की। पिछले महीने ही उन्हें संक्रमण के इलाज के पांच सप्ताह बाद अस्पताल से छुड़ी मिली थी।

उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री ने की जाति विरोधी टिप्पणी

सोनभद्र/ए.। उत्तर प्रदेश में सबसे कमाऊ कहा जाने वाला जिला सोनभद्र में योगी सरकार के राज्य मंत्री ने जाति विरोधी टिप्पणी कर लोगों को चौंका दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में बताया गया कि राज्य मंत्री संजीव सिंह गौड़ ने गत दिनों एक निरीक्षण के दौरान आम बबूला होते हुए स्वर्ण समाज के एक वर्ग का अमर्यादित भाषा का उपयोग कर समाज को अपमानित किया गया। सूत्र बताते हैं कि वीडियो वायरल होने पर नेता जी के जनप्रतिनिधियों ने इसका खंडन करते हुए कहा कि यह आरोप बेवुनियाद है। अब देखना होगा कि योगी सरकार की टीम इस वायरल वीडियो को कितनी गंभीरता से लेगी। जबकि भाजपा जानती है कि वोट बैंक में सबसे बड़ा आधार भाजपा के लिए स्वर्ण जाति का ही रहता है। ऐसे में किसी नेता का स्वर्ण समाज का अपमान करना समझ से परे है।

सरऊदी में पांच पाकिस्तानी उमराह तीर्थ यात्रियों की मौत

जेद्दा , (वार्ता)। सरऊदी अरब में एक सड़क दुर्घटना में तीन महिलाओं सहित पांच पाकिस्तानी उमराह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गये। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घटना तब हुई, जब उनकी बस ऐतिहासिक स्थल बद्र की यात्रा से मदीना लौट रही थी। उसी दौरान, उनकी बस दुर्घटना का शिकार हो गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। बस दुर्घटना में मारे गए अधिकतर जायरीन बहावलनगर जिले से थे। मृतकों में फोट अब्बास की रुखसाना बीबी और आमिना बीबी, दहरान वाला की दो महिलाएं, और एक बुजुर्ग मंजूर हुसैन शामिल हैं। इनमें से कई अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए मदीना के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जियो न्यूज के अनुसार, गंभीर रूप से घायल चार लोगों को सऊदी-जर्मन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन अन्य, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं, किंग प्हद अस्पताल में भर्ती हैं। इसके अलावा, एक महिला का इलाज किंग सलमान अस्पताल में चल रहा है।

चीन ने कई देशों से अनाज के आयात में की कटौती

बीजिंग, (वार्ता)। चीन ने कई देशों से अनाज के आयात में भारी कटौती की है। चीनी सीमा शुल्क के आंकड़ों पर स्मूर्तिक के विश्लेषण से यह जानकारी मिली कि सबसे ज्यादा यूक्रेन और यूरोपीय संघ से अनाज के आयात में कटौती की है, जो पहले इसके मुख्य आपूर्तिकर्ता हुआ करते थे। चीनी अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि मार्च में अनाज के आयात में चार गुना गिरावट आई है, जो अब घटकर 46.39 करोड़ डॉलर रह गई है। अनाजों में से मक्का के आयात में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई जो 23 गुना घटा, जबकि गेहूँ का आयात 10.6 गुना घटा है।

ऑस्ट्रेलिया समुद्र तट पर 3 दिनों में सातवीं घटना में मौत

सिडनी (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तटों पर तीन दिनों में हुई सातवीं जानलेवा घटना में एक बालक की चट्टानों के बीच फंसने से मौत हो गई। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य के मध्य उत्तरी तट पर एक समुद्र तट पर नौ वर्षीय बालक स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 03:30 बजे चट्टानों के बीच पानी में फंस गया। यह स्थान सिडनी से लगभग 400 किमी उत्तर-पूर्व में है। आपातकालीन सेवाओं के प्रयासों के बावजूद, बालक को नहीं बचाया जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इशिबा ने युद्ध से जुड़े कुख्यात मंदिर को भेजी भेंट

टोक्यो (वार्ता)। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने सोमवार को देश के वंस्त उत्सव के अवसर पर कुख्यात यासुकुनी श्राइन को एक अनुष्ठान भेंट भेजी। इस श्राइन को देश में अतीत के क़रूर सैन्यवाद के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। श्री इशिबा ने टोक्यो के चियोदा जिले में स्थित युद्ध से जुड़े तीर्थस्थल पर तीन दिवसीय समारोह के पहले दिन मासाकाकी नामक अनुष्ठान वृक्ष भेजा।

बच्चों को खरीदने-बेचने वाले गिरोहों को जड़ से खत्म करना होगा: सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली पुलिस को सुप्रीम कोर्ट की फटकार बच्चों को कहीं से भी ढूढकर लाएं

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में नवजात बच्चों की तस्करी के बढ़ते मामलों पर सख्त रुख अपनाने हुए दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन को पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले की सुनवाई की और स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों को खरीदने-बेचने वाले गिरोहों को जड़ से खत्म करना होगा। कोर्ट ने कहा कि ये गिरोह समाज के लिए बड़ा खतरा हैं और सबसे खतरनाक तरीके से काम करते हैं।

दिल्ली पुलिस को सख्त आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को छह गायब बच्चों का पता लगाने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा, दिल्ली पुलिस बच्चों को कहीं से भी ढूढकर लाएं। साथ ही, जांच अधिकारी को कार्ययोजना की रूपरेखा के साथ कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी पूछ, आपकी कार्यवाही कैसी चल रही है? और बाल तस्करी रैकेट के सरगना या उनके रिश्तेदारों को पकड़ने का आदेश दिया।

दिल्ली में बच्चों के अपहरण और खरीद फरोख्त के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजा अपनाया। सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि कोई किसी व्यक्ति का हत्या करता है तो उसके पीछे कोई वजह होती है। एक हत्या के बाद वह दूसरी हत्या नहीं



करता। लेकिन जो बच्चों को किडनैप करके बेचते हैं, वो बार बार यह अपराध करते हैं। ये ज्यादा खतरनाक हैं। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि कुछ बच्चे ऐसे हैं जो चोरी नहीं किए गए हैं बल्कि उनके पेरेंट्स ने बेचा है। कोर्ट ने कहा कि बच्चे को बेचने वाले और खरीदने वाले दोनों अपराधी हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर बच्चे मिल जाते हैं और उनके बच्चे उन्हें वापस रखने को तैयार नहीं हैं तो जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

नवजात बच्चों की तस्करी पर गंभीर चिंता

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने दिल्ली में बच्चों को खरीदने और बेचने वाले गिरोहों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बहुत चौकाने वाला है। पीठ ने अपने फैसले में कहा, दिल्ली के भीतर और बाहर एक

बेंगलुरु में वायुसेना अधिकारी पर हमला, पत्नी के साथ दुर्ल्यवहार

बेंगलुरु/ए.। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर पर कुछ लोगों ने कथित तौर पर हमला किया और उनकी पत्नी, जो स्वयं एक स्काइन लीडर हैं, के साथ हमलावरों ने दुर्व्यवहार भी किया। यह घटना उस समय हुई जब यह दंपति एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, विंग कमांडर बोस और उनकी पत्नी स्काइन लीडर मधुमिता बेंगलुरु के सीबी रमन नगर स्थित डीआरडीओ कॉलोनी से एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे। मधुमिता कार चला रही थीं, तभी एक बाइक सवार ने उनकी कार को रोक लिया। इसके बाद बाइक सवार ने कन्नड़ में गाली-गलौज शुरू कर दी। विंग कमांडर ने बताया कि उन्होंने स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ बढ़ती गई और हालात बेकाबू हो गए। विंग कमांडर ने एक वीडियो में अपनी आपबीती साझा करते हुए घटना की जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा कि मैंने हमला करने वालों को बताया कि हम वायुसेना और नौसेना से हैं, हम आपकी रक्षा करते हैं, लेकिन आप हमारे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। सेना के अधिकारी ने कहा कि एक व्यक्ति ने पत्थर उठाकर उनकी कार पर मारने की कोशिश भी की, जो गलती से उनके सिर पर जा लगा, जिससे उनके चेहरे और गर्दन पर खून बहने लगा।



दिल्ली में फिल्म फुले पर सियासी बवाल

ब्राह्मण विरोधी नफरती सीन तुरंत हटाया जाए : पांडेय

टु पीएम को ज्ञापन देकर फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली। ब्राह्मण रक्षा मंच ने फिल्म फुले से ब्राह्मण विरोधी नफरती दृश्य तुरंत हटाने की मांग की है। रविवार को ब्राह्मण रक्षा मंच के महन्त सतीश दास महाराज, महन्त सूरज गिरि महाराज, महन्त भोला गिरि महाराज, महन्त भूदेव शर्मा, आदिति शर्मा, पंडित शिवहरी शास्त्री, बीना शर्मा और भाजपा के वरिष्ठ नेता अनूप पांडेय ने फिल्म फुले का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि इस फिल्म के खिलाफ ब्राह्मण समाज जगह-जगह विरोध करेगा और ब्राह्मणों के प्रति नफरत की जो भावना दिखाने का प्रयास किया गया है, जब तक वह सीन हटाना नहीं जाएगा या फिर जब तक इस फिल्म के प्रसारण पर रोक नहीं



लगती है तब तक ब्राह्मण समाज के लोग चैन से नहीं बैठेंगे। इस सम्बंध में ब्राह्मण रक्षा मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन देकर फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग भी की है। ब्राह्मण रक्षा मंच के वक्ताओं ने यह भी कहा कि ब्राह्मण समाज का एक गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे धूमिल करने का प्रयास किया गया है। इस अपमान को केवल ब्राह्मण समाज ही नहीं बल्कि सनातन संस्कृति और धर्म से जुड़ा हर वर्ग काई बर्दाश्त नहीं कर सकता है। ब्राह्मणों ने ज्योतिबा फुले को 20

स्कूल खेलने में मदद की थी और वे खुश थे। जब फुले ने सत्य सम्बंध में ब्राह्मण रक्षा मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन देकर फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग भी की है। ब्राह्मण रक्षा मंच के वक्ताओं ने यह भी कहा कि ब्राह्मण समाज का एक गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे धूमिल करने का प्रयास किया गया है। इस अपमान को केवल ब्राह्मण समाज ही नहीं बल्कि सनातन संस्कृति और धर्म से जुड़ा हर वर्ग काई बर्दाश्त नहीं कर सकता है। ब्राह्मणों ने ज्योतिबा फुले को 20

साथ ही यह मांग भी है कि इस

अर्जी पर सुनवाई

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग पर जस्टिस गवई बोले-

हम पर कार्यपालिका में अतिक्रमण करने के आरोप लग रहे हैं

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की गई है। वकील विष्णु शंकर जैन ने जस्टिस बी आर गवई की बेंच के सामने सुनवाई की मांग की है। जिस पर जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को यह आदेश देने के लिए रिट जारी करें? वैसे भी हम पर कार्यपालिका में अतिक्रमण करने के आरोप लगा रहे हैं। वकील जैन ने कोर्ट को बताया कि कल के लिए याचिका पहले ही सूचीबद्ध है और वह राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।



सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पर पहले ही कार्यपालिका के काम पर अतिक्रमण करने के आरोप लग रहे

विष्णु शंकर जैन की याचिका पर सुनवाई कल

वकील विष्णु शंकर जैन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने पश्चिम बंगाल में आपातकाल लागू करने की मांग वाली याचिका को मंजूर करते हुए जस्टिस गवई की बेंच से कहा कि राज्य में मौजूदा हिंसा को देखते हुए अर्धसैनिक बलों की तत्काल तैनाती की आवश्यकता है। विष्णु जैन ने कहा कि इस मामले पर पहले से बंगाल में पोस्ट पोल हिंसा की मेरी याचिका लंबित है। जिस पर कोर्ट 2022 में नोटिस जारी कर चुका है। यह मामला कल सुनवाई के लिए लिस्टेड है।

इसी मामले मे हमने मौजूदा बंगाल मे हुई हिंसा की लेकर एक अर्जी दाखिल की है, जिसमे अर्धसैनिक बलों की तैनाती, तीन रिटायर जजों की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। साथ ही राज्यपाल से इसकी रिपोर्ट मांगी जाए। इस हिंसा में हिन्दुओं के पलायन की जानकारी गृहेया कराई जाय।

अर्धसैनिक बलों की तत्काल तैनाती की मांग

विधेयकों पर फैसला करने और वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम

कोर्ट के दखल के बाद आ रही प्रतिक्रियाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ये जवाब दिया है। जस्टिस गवई देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने जा रहे हैं। दरअसल एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने पश्चिम बंगाल में आपातकालीन शासन लागू करने की अपनी याचिका का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी याचिका पहले से ही दाखिल की गई है। यह मामला कल सूचीबद्ध है। इसके अलावा, अर्धसैनिक बलों की तत्काल तैनाती की आवश्यकता है। मैंने एक अतिरिक्त आवेदन दायर किया है। मैं अतिरिक्त तथ्य सामने लाना चाहता हूं।

सुविचार

धर्म चाहे कोई हो अच्छे इंसान बनो, उपर वाले की अदालत में हिसाब आपके कर्म का होगा धर्म का नहीं। - अज्ञात

ममता बनर्जी का भाजपा पर आरोप

क्वफ बिल के खिलाफ बंगाल के मुर्शिदाबाद सहित अन्य स्थानों पर जो हिंसा हुई है उसके लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा और आरएसएस को जिम्मेदार ठहराया है। ममता बनर्जी ने कहा है कि बंगाल में जहां भी हिंसा भड़कती है उसके पीछे भाजपा का ही हाथ होता है। गौलतब है कि बंगाल में क्वफ बिल के विरोध कई स्थानों पर हिंसा हुई और इस हिंसा के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं हजारों की संख्या में हिन्दुओं ने अपने घर बार छोड़कर वहां से पलायन कर दिया। किन्तु ममता बनर्जी को इन हिंसा पीड़ितों से मिलने का अभी तक समय नहीं मिला है। यह तो गनीमत है कि बंगाल के राज्यपाल ने हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर बंगाल में बंद से बदतर होती कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर केन्द्र सरकार को रिपोर्ट भेजी और केन्द्र सरकार ने कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर वहां केन्द्रीय सुरक्षाबलों को तैनाती कर दी है। इसके बाद हिंसा में काफ हद तक रोक लगी है। लगभग तीन सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद बंगाल के अन्य स्थानों पर हिंसक घटनाएं हो रही है। और बंगाल पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है। बंगाल में हिंसा कोई नई बात नहीं है। वहां कोई भी चुनौत हो या धार्मिक आयोजन हो हिंसा होती ही है। बंगाल पुलिस अराजक तत्वों पर रोक लगाने में असफल रहती है इससे इस संदेह को बल मिलता है कि राज्य सरकार के इशारे पर ही वहां हिंसा का तांडव होता है। बहरहाल बंगाल में जो हिंसा हुई है। वह ममता बनर्जी की सरकार की विफलता का दुष्परिणाम है। जिसे यह पता था कि क्वफ बिल के खिलाफ बंगाल में उग्र प्रदर्शन हो सकता है और बांग्लादेशी तथा रोहिंय्या घुसपैटिए इस विरोध प्रदर्शन के बीच घुसकर हिंसा का नंगा नाच सकते हैं। इसके बावजूद ममता सरकार ने कोई एहतिाथी कदम उठाना उचित नहीं समझा। अब जबकि ममता सरकार की नाकामी उजागर हो गई है। इसके लिए उसे हाईकोर्ट से भी कड़ी फटकार लगी है तथा मुर्शिदाबाद हिंसा मामला सुप्रीम कोर्ट भी जा पहुंचा है। तब ममता बनर्जी अपनी असफलता का ठिकरा भाजपा के सिर पर फोड़ रही हैं और भाजपा व आरएसएस पर सांप्रदायिक हिंसा कर्मकाणे का आरोप लगा रही हैं। निश्चित रूप से उनके यह आरोप राजनीति प्रेरित हैं। दरअसल, उनको अब यह डर सता रहा है कि बंगाल में हुई हिंसा के लिए कहीं सुप्रीम कोर्ट भी उनकी सरकार को कड़ी फटकार न लाग दे। और केन्द्र सरकार बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू न कर दे। वैसे तो बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के हालात बन गये हैं। वहां के भाजपा नेता लगातार इसकी मांग भी उठा रहे हैं। देखना होगा कि इस बारे में केन्द्र सरकार क्या निर्णय लेती है।

जल है तो जीवन है



उमा मेहता त्रिवेदी

धरती दिवस,पृथ्वी और उसके पर्यावरण के प्रति सम्मान और जागरूकता व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन हमें हमारी पृथ्वी के संसाधनों के महत्व को समझने और उनके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की प्रेरणा देता है। इस वर्ष, जब हम धरती दिवस मना रहे हैं, तो जल संरक्षण एक ऐसा विचारणीय पहलू है जिस पर गहराई से ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। जल,जीवन का आधार है। यह न केवल हमारी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है,बल्कि कृषि,उद्योग और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुर्भाग्यवश, आज दुनिया भर में जल संकट गहराता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगीकरण और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों ने हमारे जल संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाला है। कई क्षेत्रों में स्वच्छ और पर्याप्त पानी की उपलब्धता एक गंभीर चुनौती बन गई है, जिसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास पर पड़ रहा है। भारत, जिसकी एक बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, जल संकट के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है। अनियमित मानसून, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल प्रदूषण ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया है। नदियों का सूखना, जलाशयों का सिकुड़ना और पीने योग्य पानी की कमी आज हमारे देश के कई हिस्सों का वास्तविकता है। ऐसे में, धरती दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के महत्व को समझना और इसके लिए सामूहिक प्रयास करना समय की मांग है। जल संरक्षण केवल पानी की बचत करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जल स्रोतों का उचित प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा देना भी शामिल है। हमें वर्षा जल संचयन जैसी पारंपरिक तकनीकों को पुनर्जीवित करने और आधुनिक जल प्रबंधन प्रणालियों को अपनाने की आवश्यकता है। घरों, कृषि और उद्योगों में पानी के उपयोग को कम करने के लिए नवीन तकनीकों और आंदोलनों को प्रोत्साहित करना होगा। कृषि क्षेत्र में, जो भारत में पानी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, सिंचाई की आधुनिक तकनीकों जैसे कि ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर प्रणाली को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। किसानों को जल-कुशल फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और जल प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। औद्योगिक क्षेत्र में, पानी के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग को अनिवार्य बनाना चाहिए। उद्योगों को जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त नियमों का पालन करना होगा और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाना होगा। व्यक्तिगत स्तर पर भी जल संरक्षण के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। दैनिक जीवन में पानी की बचत करना, जैसे कि ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम पानी में कपड़े धोना, और लोक हो रहे नलों की मरम्मत करना महत्वपूर्ण है। वर्षा जल को संग्रहित करके उसका उपयोग बागवानी और अन्य घरेलू कार्यों के लिए किया जा सकता है। धरती दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और हमें उनका बुद्धिमानि से उपयोग करना चाहिए। जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें सरकार, उद्योग, समुदाय और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। जल संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाना, नीतियों को लागू करना और तकनीकी नवाचारों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। आइए, इस धरती दिवस पर हम सब मिलकर जल संरक्षण का संकल्प लें। अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर भी हम एक बड़ा अंतर ला सकते हैं। जल को बचाना न केवल हमारी वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। याद रखें, "जल है तो कल है"।

आज का पंचांग

बुध-14	10	11	9		
शुक्र-शनि	13-15	8			
राहु	4	14	3	5	6
मंगल					

सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त : 06:49, चन्द्रोदय : 26:08, चन्द्रास्त : 11:49, अरुन : उत्तरायण (उत्तरगोलीय), ऋतु : ग्रीष्म, शक सम्वत : 1947 (विशाखसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थ), मास : वैशाख, पक्ष : कृष्ण, तिथि : नवमी, नक्षत्र : श्रवण, योग : शुभ, प्रेमज करण : बालव (07:04 तक), द्वितीय करण : कोलव (18:58 तक)।

॥ गौतम ग्रहः ॥

सूर्य : मेष, चंद्र : मकर, मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : मीन (उदय,



योगेश कुमार गोयल

ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 6०0 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्ववीय क्षेत्रों में बर्फपिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को थति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बनें हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर विवृत हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (चार्ता)1792 में 22 अप्रैल के दिन ही अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने यूरोप के युद्ध में अमेरिकी तटस्थता की घोषणा की थी। 19०6 में आज ही के दिन यूनांन के एथेंस में 1०वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई थी। 1915 में 22 अप्रैल के दिन ही प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पहली बार जहरीली गैस का इस्तेमाल किया था। 1921 में आज ही के दिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईडियन सिविल सर्वि्स से त्यागपत्र दिया था। 1926 में 22 अप्रैल के दिन ही पर्शिया, तुर्की और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सुशा संधि पर साइन किए गए थे। 1931 में आज ही के दिन मिस्र और इराक ने शांति समझौते पर साइन किए थे। 1944 में 22 अप्रैल के दिन ही द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने न्यू गिनी में जापान के खिलाफ एक बड़े हमले की शुरुआत की थी। 1954 में आज ही के दिन तत्कालीन सोवियत रूस यूनेस्को में शामिल हुआ था। 1958 में 22 अप्रैल के दिन ही एडमिरल आर डी कटारी भारतीय नौसेना में पहले प्रमुख बने थे।

QUIZ TIME

1) शिक्षक कक्षा में जिस प्रकार का संचार करता है, उसे कौन सा संचार कहा जाता है?

2) वायरलेस पिछेलीटी किसका पूर्ण रूप है?

3) भारत का प्रथम नेशनल सेंटर फॉर मेरीन बायोजाइवर्सिटी किस शहर में स्थित है?

4) भारत की सचि्त निधि से निधि निकालने के लिए किसका अनुमोदन अनिवार्य है?

5) किस फुटबॉल खिलाड़ी ने लगातार 4 वर्षों तक फीफा वर्ल्ड प्लेयर अवार्ड जीता है?

मुझे प्यारप्यु (५) प्यु येमम

प्यु येमम (७) यामयामम (६) डूध डूध (८) यामम येमम (1) -यामयामम

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ अक्षर देवत गुरुजी

भागदौड़ कर रहे थे आज उसके पूर्ण होने से आय के नए मार्ग खुलेंगे।

वृष: आपका आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा।

तुला: आज का दिन आपके लिए अशांत रहेगा। दिन के पहले भाग में ही किसी परिजन या रिश्तेदार से तीखी झड़प होने के आसार बनेंगे।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से आपका स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है।

कर्क: व्यापारिक दृष्टिकोण से आज का

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में

लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं। किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंभी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवच्य 22 अप्रैल को ‘विश्व पृथ्वी दिवस’ मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफ़ान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई।

मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फभारी तो कहीं कड़के की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफ़ान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफ़ान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिव्ने के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त सांसें’ के

पाठकों की बात

ममता तो निर्मम



ममता तो निर्मम हुई, उफन रहा बंगाल। जला मुर्शिदाबाद अब, हिन्दू हैं बदहाल। हिन्दू हैं बदहाल, उसे कुर्सी है प्यारी, दुष्टों की बन ढाल, खड़ी वह मति की मारी। लुटती अस्मत्, कल्ल, नहीं यह विप्लव थमता। उधर जल रहा रोम, चैन से सोती ममता।

– हरिवल्लभ शर्मा ‘हरि’

अनुराग कश्यप

अ नु र ा ग कश्यप ने जो ब्राह्मणों के लिए कहा वो उसने कहीं ब्राह्मणों की शै पर कहा जो ब्राह्मण सेकुलर बनकर रात दिन हिन्दू धर्म के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं। कितने ही इस फेसबुक पर हमारी आपकी फ्रेंडलिस्ट में होंगे जो अपने ही धर्म को कोसते हुए दिख जायेंगे।

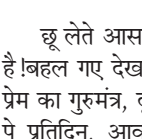
– दिव्या राकेश शर्मा

अनुसूचित जाति

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती

छू लेते आसमां मगर उस पर



छू लेते आसमाँ मगर उस पर कहीं सूरज का पहरा है!बहल गए देख पानी में, जो चाँद उहरा है !! सफ़्त प्रेम का गुल्मंत्र, दृष्टि अंधी विश्वास बहरा है !मुखारबिंद पे प्रतिदिन, आवरणयुक्त चेहरा है ! !हर मोड़ करता अर्चोभित, चहूँ ओर कोहरा है! जुबा में कुछ नयन में कुछ, हृदय में और उहरा है ! रोज़ परिश्रम है रोटी सिक्के ओर दायरों की !! जिसे समझा किए निझैर अरण्य है ,वो सेहरा है !! – अंजु डोकानिया

रास्ते से ही लौटी खुशी उम्र भर जो



रास्ते से ही लौटी खुशी उम्र भर जो थी मेरे लिए लाज़िमी उम्र भर रोज़ ख़ुवाबों में आती थी मिलने मगर मिल न पाई हमें जिन्दगी उम्र भर हम तरसते रहे रौशनी के लिए साथ चलती रही तीरगी उम्र भर लुट गये यार के प्यार में बाहरा कर सके हम नहीं दिल लगी उम्र भर कल तलक रोज़ भटकेंगे सहरा में यँ हम लबों पर लिए तरसगी उम्र भर ख़ को राज़ी नहीं कर सके लोग जो वो तो करते रहे बदंगी उम्र भर इक़ खुशी के लिए सुब्ह से शाम तक मरता – जीता है यँ आदमी उम्र भर आज ‘ऐनुल’ हमारी है चाहत यही हो निगाह-ए-क़रम आपकी उम्र भर – ‘ऐनुल’ बरौलवी

महारजत कंचन कनक कुंदन हारक

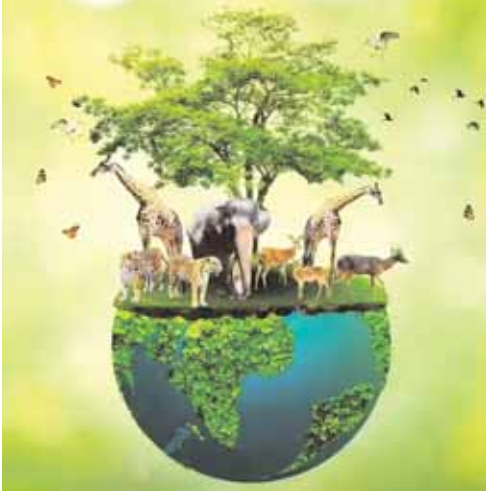
महारजत कंचन कनक कुंदन हारक स्वर्ण जातरूप तपनीय प्रिय, हेम हिरण्य सुवर्ण ! रंग एक गुण एक पर तन पर करते जंग ज़ेवर तेवर से भरे, निरख-निरख दुग दंग ! भले एक पर ही यहाँ, दयावान करतार, सोना भरा बिहार है, कहते प्रेम कुमार। – **पंकज कुमार बसंत**

अभिव्यक्ति

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं।



पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है।

मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य

अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ‘प्रदूषण मुक्त सांसें’ पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फ़ैसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि।

जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्ववीय क्षेत्रों में बर्फपिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बनें हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

धरती को हम मां कहते हैं रात-दिवस



हैं धरती मैं कितना सहती है और सोचो हम क्या सहते हैं सबकुछ देती धरती हमको हम धरती को क्या देते हैं लाज नहीं क्यूँ आती हमको माँ का दर्जा जो देते हैं भला कौन होगा इस जग में माँ का अपनी ख्याल रखे ना माँ ने हमको जन्म दिया और हम ही माँ का ध्यान रखें ना नाहक दोहन करें न इसका हरा-भरा इसको रहने दें कौनसी चीज हमें नहीं देती सब है ऋषी, मुझे कहने दें। – **जे डी कुदाल**

गुप्तगु करता रहा वो रात दिन बिन बात

गुप्तगु करता रहा वो रात दिन बिन बात के, हर अदा है पागलों सी मुतमइन बिन बात के । है फ़िदा महबूब पे वो चाँद जैसी हूर जो, फ़िर मुहब्बत में बना है मोहसिन बिन बात के। बेवज़ा वो इश्क़ के नगमों सुनाता ही रहा दर्द के यूँ लफ्ज़ सारे रोज गिन बिन बात के। या खुदाया जो नवाजा हुस्न उसको काँच सा लो नुकीली किचं की चुभती अंसिन बिन बात के दौर ऐसा चल पड़ा है इश्क़ भी है शर्मिदा जा रही है जिसम से अब रूह छिन बिन बात के। – **सुमन ओमानिया**

राम ढूँढे तुझे वन-वन जानकी करते



राम ढूँढे तुझे वन-वन जानकी करते मिलने के सारे जतन जानकी तुम तो रो कर हृदय की पीड़ा कह दो वे तो कहा ना सके विवशता देखो राम रोते हैं मन ही मन जानकी करते मिलने के सारे जतन जानकी राम ढूँढे तुझे वन-वन जानकी करते मिलने के सारे जतन जानकी खोये सुष-बुध प्रभु सिय के लिए हृदय व्याकुल हो उठता प्रिय के लिए प्रतीक्षा में उठ्हे नयन जानकी करते मिलने के सारे जतन जानकी राम ढूँढे तुझे वन-वन जानकी करते मिलने के सारे जतन जानकी – **माया देवांगन**

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य					
बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता	बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता	बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता	बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता	बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता	बाएं से दाएं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. प्रतियोगिता 5. प्रतियोगिता 6. प्रतियोगिता 7. प्रतियोगिता 8. बावुल की दुआएं 9. प्रतियोगिता 10. प्रतियोगिता 11. प्रतियोगिता 12. प्रतियोगिता 13. प्रतियोगिता 14. प्रतियोगिता 15. प्रतियोगिता 16. प्रतियोगिता 17. प्रतियोगिता 18. प्रतियोगिता 19. प्रतियोगिता 20. प्रतियोगिता

2 माओवादियों को पकड़ने में पुलिस को मिली सफलता

नारायणपुर/नवप्रदेश। पुलिस सर्चिंग पर खाना हुये थे कि ग्राम निायत से स्वचलित एवं देशी अश्वीक्षक प्रभात कुमार (भा.पु.से.), रोबिनसन गुड्डिया (भा.पु.से.) अति. पुलिस अधीक्षक नारायणपुर के नेतृत्व में नारायणपुर पुलिस के द्वारा एक ओर नक्सल विरोधी माड़ बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर आपराधिक तत्वों पर कड़ी रखकर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। ज्ञात हो कि 24 फ़वरी 2025 को थाना ओरछा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम दुल्लू, एडजूम, बडेटोण्डाबेड़ा की ओर जिला बल एवं डीआरजी बल एरिया डेमिनेशन एवं नक्सल गस्त



एडजूम के जंगल पहाड़ के मध्य पूर्व से घात लगाये प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन, सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों द्वारा एक राय होकर पुलिस बल को जान से मारने व हथियार लूटने की

अनुसंधान के दौरान उक्त आरोपियों को नारायणपुर पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर मनोवैज्ञानिक तरीके / हिकमतअमली से पूछताछ करने पर अपराध कबूल करने पर

न्यूज गैलरी

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं



नारायणपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर प्रतिष्ठ ममगाई ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में पार्षद वार्ड क्रमांक 15 डुमरतगई द्वारा सड़क निर्माण में ध्यान देने, नरेंद्र कुमार उसेण्डी द्वारा ऋा लेने, राकेश कुमार सोझी द्वारा वेतन प्रदाय करने, समस्त ग्रामवासी तोयनार द्वारा प्राथमिक शाला तोयनार में बालक आश्रम स्वीकृत देने, मुकेश ग्राम कानांगवर द्वारा जीवन यापन बाबत, गोगाराम उसेण्डी प्रधान अध्यापक तोयनार द्वार अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का राशि देने, राहुल राठौर गुडरीपारा द्वारा अंतर्जातीय विवाह के संबंध में, अनिता दुग्गा एवं यशवंत दुग्गा द्वारा यशवंत दुग्गा के सर्विस बुक में नाम दर्ज कराने एवं रोजगार दिलवाने, खेमसिंह देवांगन द्वारा पट्टे की जमीन से संबंधित विवाद में समझौता के माध्यम से विपक्ष द्वारा कब्जा हटाने पर अपनी मंजूरी के पश्चात मान्य आदेश की अवहेलना के संबंध में, कुमारी ममता कर्मा द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में रोजगार दिलाने, सुखनाथ सोरी ग्राम आदपाल द्वारा डोनर को रोड निर्माण कार्य में लगाया था, जिसका पैसा दिलाने, सरपंच ग्राम ताड़ोपाल द्वारा विभिन्न कार्यों को स्वीकृति प्रदाय करने, महेश्वरी कोवाची जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 2 द्वारा बालक बालिकाओं के लिए नये आश्रम शाला भवन निर्माण करने, रविन्द्र, सरिता एवं अनाद ग्राम एनएच सड़क निर्माण के संबंध में, मोहन सिंह द्वारा सहायक ग्रेड 02, सविदा अपररेट पद में पदोन्नति करने, समस्त पारावासी ग्राम पंचायत बेलगांव द्वारा पट्टा प्रदाय करने, प्रवीण जैन पार्षद वार्ड क्रमांक 12 द्वारा राशन दुकानों में संचालन का समय व संचालनकर्ता का मोबाईल नंबर चप्सा करने, मनोज नाग उप सरपंच ग्राम ओकपाड़ द्वारा ग्राम पंचायत सुलेंगा झौड़ई के आश्रित ग्राम ओकपाड़ में द्वितीय श्रेणी सड़क एवं पलिया निर्माण हेतु, सरपंच ग्राम कन्हारगांव द्वारा किसानों को खाद बीज लोन दिलाने, अध्यक्ष उ. शा.प्र.समि. द्वारा शिक्षक पदोन्नति करने तथा उमरचंद जैन तहसीलपारा द्वारा सविबलयन नियम 2018 के क्रमांक 09 के परिपालन में अन्य विकासखण्ड एवं अन्य जिलों से स्थानांतरण से आये शिक्षकों को दिये गये पदोन्नति को निरस्त करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर प्रतिष्ठ ममगाई ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

प्रथम पेज का शेष

म.प्र. की देश में केन्द्रीय स्थिति का

टीईएमए के चेयरमैन प्रो. एन.के. गोयल, तेजस के सीईओ एण्ड एमडी श्री आनंद अथरेया, वीवीडीएन के श्री जितेंद्र सिंह, वीवीडीएन के श्री राजीव जैन, एनआईसीडीसी के श्री विनय मिश्रा, आईसीईईए के डॉ. आशीष शुक्लिया, इरिक्सन के श्री अश्विनी पल्हुर, एमपीआईडीसी के ग्वालियर रोजन के ईडी श्री प्रतुल सिन्हा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों के साथ टेलीकॉम सेक्टर के उत्तरोत्तर विकास के लिए विस्तार से चर्चा की। बताया गया कि केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा मध्यप्रदेश में टेलीकॉम सुविधाओं के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है। निवेशकों ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर में टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग की थी। म.प्र. औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एमपीआईडीसी) द्वारा इस विषय में नेतृत्व करते हुए ग्वालियर में दूरसंचार उत्पादन क्षेत्र की

स्थापना के लिए निवेशकों को ग्वालियर आईटी पार्क में उपलब्ध भूमि और ग्वालियर के ही साडा क्षेत्र में उपलब्ध भूमि का अवलोकन कराया गया। उपलब्ध भूमि के सम्पूर्ण क्षेत्र कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर और आसपास के ईको सिस्टम की उपयोगिता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन निवेशकों के प्रतिनिधि मंडल द्वारा किया गया था। गत एक अप्रैल को ही ग्वालियर के साडा क्षेत्र के प्रस्तावित स्थल का दूरसंचार विभाग एवं एमपीआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुनः मूल्यांकन किया गया। प्रदेश की नई औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग में प्रोत्साहन करने के लिए योजनाबद्ध राजकोषीय और गैर राजकोषीय पैकेज पर भी इस दौरान चर्चा की गई। निवेशकों ने कहा कि हम जितना जल्द हो सके, इस टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन में अपना काम प्रारंभ कर लेंगे।

साडा ग्वालियर की 271 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग को दी जाणी

ग्वालियर आईटी पार्क में लगभग 70 एक? एवं साडा ग्वालियर क्षेत्र में 300 एक? भूमि की मांग निवेशकों द्वारा की गई है। मुख्य सचिव श्री जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के



लिए, जिससे स्कूली छात्रों और स्थानीय युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ी है।

डीएमएफ की मनमानी पर लगाई रोक

उन्होंने डीएमएफ मद में पूर्व कलेक्टर विनित नंदनवार के कार्यकाल के दौरान हुई अनियमितताओं पर लगाम लगाते हुए गोपनीय टेंडर की प्रक्रिया को पूरी तरह बंद किया। पूर्व कलेक्टर ने गोपनीय निविदा के जरिए करोड़ों के कार्य चढ़ते टेकेंदरों को रेवेडी की तरह बांटे थे। विनित नंदनवार ने डीएमएफ सीएसआर और एससीए मद का जमकर दुरुपयोग किया था। इनके कार्यकाल के दस्तावेज

अब ईडी और एसीबी जैसी जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं। हालांकि मयंक ने अपने कार्यकाल में सभी निर्माण कार्यों को खुली निविदा प्रणाली से निष्पक्षता के साथ पूर्ण कराया। साथ ही, अनावश्यक कार्यों पर डीएमएफ का उपयोग पूरी तरह रोक दिया और केवल आवश्यक एवं मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों को ही प्राथमिकता दी। मयंक चतुर्वेदी ने अपने कार्यकाल में जिले के लिए करीब बीस करोड़ की लागत का नया बस स्टैंड स्वीकृत किया और दंतवाड़ा बचेली सड़क को मरम्मत करवाई। उनकी अनूठी पहल रही कि उन्होंने कलेक्टर चैम्बर में विजिटिंग कार्ड या पर्चों के माध्यम से आम जनता से मुलाकात का सिस्टम समाप्त कर सीधे संवाद की व्यवस्था की। ग्रामीणों के लिए मयंक चतुर्वेदी बड़ी सरलता के साथ हमेशा उपलब्ध रहे।

एजुकेशन सिटी पार्ट टू की रखी नींव-

छात्र-छात्राओं को घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिलवाना और आर्मी मेले में

जिले का प्रतिनिधित्व कराना एक नई पहल थी।पेयजल की समस्याओं को लेकर भी किरंदुल और बारसूर के लिए विशेष योजनाएं बनाई गईं। लेकिन इनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में किरंदुल में तैयार हो रही एजुकेशन सिटी को माना जा सकता है। करीब 35 करोड़ की लागत से इन्होंने यहाँ एक एजुकेशन सिटी का निर्माण शुरू करवाया। इसे एजुकेशन सिटी पार्ट टू भी कहा जाता है।

हालांकि, रेस्ट हाउस को विधायक बांग्ला बनाए जाने के निर्णय को लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा। फिर भी बतौर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी का कार्यकाल दंतवाड़ा के विकास और पारदर्शी शासन के लिए स्मरणीय रहेगा। अब देkhना होगा कि मयंक कलेक्टर कुणाल दुधावत इस विरासत को किस तरह आगे बढ़ाते हैं। बताया जाता है कि प्रशासनिक कसावट के मामले में इनकी कार्यशैली मयंक चतुर्वेदी से भी संखुत है।



सदस्य श्री पंचू राम नायक, मिथलेश मंडावी, नितेश कुमार सलाम, अशोक कुमार कचलाम एवं सरपंच देवकुमारी मंडावी उपस्थित रहे।

आवास प्लस हेतु पात्रता शर्तें :-

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वे हेतु पात्र

हितग्राही के पास मोटरयुक्त तिपहिया एवं चौपहिया वाहन नहीं होना चाहिए। मशीनीकृत तिपहिया, चौपहिया कृषि उपकरण न हो, हितग्राही के पास 50 हजार अथवा इससे अधिक ऋा सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड न हो।

इसके अलावा वे परिवार जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी न हो तथा सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवार न हो। ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य 15 हजार रूपए से अधिक प्रतिमाह न कमा रहा हो, आयकर एवं व्यवसाय कर देने वाले परिवार न हो। जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि न हो तथा 05 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि न हो। ऐसे हितग्राहियों को इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

मत्स्य पालकों के हित में सरकार सतत काम कर रही: मटियारा



कांकेर/नवप्रदेश।

मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिले के मछुआर वगं, सहकारी समितियों एवं मत्स्य पालकों के साथ बैठक ली और उनके कल्याण के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में उन्होंने जिले के सभी मछुआ सहकारी समितियों की मांगें और समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का आश्वासन दिया।कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में मटियारा ने कहा कि वे लगातार बस्तर संभाग के जिलों का दौरा कर मछुआरा वर्ग की समस्याओं से अवगत हुए। राज्य सरकार द्वारा बोर्ड के माध्यम से उनके कल्याण के लिए सतत प्रयास किये जा रहे हैं और

मत्स्य नीति को स्थानीय मत्स्य पालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांकेर जिले को मत्स्य उत्पादन में अग्रणी बनाने के लिए हेचरी का निर्माण किया जाएगा। साथ ही मत्स्य पालकों को मछली बेचने हेतु सुव्यस्थित विक्रय केंद्र की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए नेतृत्व में मत्स्य संपदा योजना और केसीसी योजना से मत्स्य पालकों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विश्वू देव साय की मंशा है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने सभी मत्स्य पालकों से

एनएचएम कर्मचारियों को 17 जिलों में नहीं मिला वेतन

कांकेर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी के 17 जिलों में वेतन अप्राप्त है, शायी सीजन में कर्मचारियों के जेब खाली पड़े है।आम जनता का सेवा करने वाले स्वास्थ्य कर्मी खुद के वेतन प्राप्ति तथश रहे है जिलो से प्राप्त जानकारी अनुसार रायगढ़, कोडगांव, सारंगगढ़-बिलाइगढ़, बालोद, सुरगपुर, कोरिया, कवीरगढ गरियाबंद, कोरवा ,मुंगेली, जगपुर, दुर्ग कांकेर मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, गौदेरगोपेड़ामरवाही, राजनांदगांव, बलौदाबाजार सहित 17 जिलों में राष्ट्रीय वेतन प्राप्त नहीं हुआ है जिसके कारण परिवार में शायी विवाह के सीजन में समस्या हो रहस है। एनएचएम जिलास्वथ दीपक वर्मा ने बताया कि कुछ कर्मचारियों का लोन इत्यादि भी कटता है कई कर्मचारियों का वृद्ध माता-पिता अस्पताल में इलाज करना पड़ता है साथ ही इन्हीं कम वेतन से एनएचएम कर्मचारियों को घर का किराया राशन भी देना पड़ता है इस कम वेतन में लेट से वेतन होने पर कर्ज लेकर अपना काम चला रहे है कर्मचारियों को बहुत समस्या आ रहस है शीघ्र वेतन नहीं मिलता है तो काम बंद कर दिया जाएगा।

गौ तस्करी करते चार आरोपी पुलिस के हथ्थे चढ़े

महाराष्ट्र के बूड़ खाने ले जाने की फिराक में थे आरोपी...



कांकेर/नवप्रदेश।

कांकेर जिले के गोण्डाहूर पुलिस ने गौ तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गोण्डाहूर पुलिस ने किया गिरफ्तार करते हुए तस्करी में इस्तेमाल पिकअप व मोटर सायकल को गोण्डाहूर पुलिस ने किया जप्त कर कार्यवाही किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार उमिन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला के मार्गदर्शन में अति.पुलिस अधीक्षक राकेश कुरें तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पंखोजूर रविकुमार कुजूर के दिशा निर्देश में थाना प्रभारी गोण्डाहूर रामचंद्र साहू के नेतृत्व में 20 अप्रैल को रस्सी बांधकर कूरुता पूर्वक पिकअप क0 CG 19 BQ 4717 में भरकर पीन्ही

133 डेम जाने वाले पगडंडी रास्ते से हॉकर जाने वाले रास्ते से होकर महाराष्ट्र कल्लखाना ले जा रहे है मवेशी तस्करी होने की सूचना मिलने पर गोण्डाहूर पुलिस द्वारा घेराबंदी कर 05 नाग गौवंश मवेशी को बरामद किया गया आरोपी दिलीप राय राहुल राय संजीत दास एवं मुकेश राय के द्वारा गौवंश का कूरुता पूर्वक परिवहन कर तस्करी करने का अपराध पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी का पिकअप वाहन व मोटर सायकल को जप्त

किया गया मामले में आरोपी दिलीप राय, राहुल राय, संजीत दास, एवं मुकेश राय को विधिवत गिरफ्तार किया गया। जिन्हें आज माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिला की जाएगी। मामले के आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रामचंद्र साहू सर्जन एवेरतुस केरेकेन्ना, जगमोहन कश्यप, प्रधान आरक्षक बाबूलाल गानडे आरक्षक चंदन कुलदीप, सौरभ सलाम गौतम दुग्गा, विजय सलाम, रघुवीर शोरी का उत्कृष्ट योगदान रहा।

कहा कि महामंत्री चाणक्य ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था और वे स्वयं मंत्री बने थे, जिससे एक शक्तिशाली राजवंश में प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश के भविष्य की नींव तैयार करने के लिए लोक सेवक व्यवस्था को विस्तार दिया और उनके लिए सेवा नियम (सर्विस रूल्स) तैयार किए। उन्होंने लोक सेवकों के लिए तीन बातों- डिग्निति, इंटीग्रिटी और इंकरप्टिबिलिटी को रेखांकित किया था।

करणान फी और गुड गवर्नेंस के लिए कार्य करें सभी लोकसेवक- मुख्य सचिव श्री जैन मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि हर साल 21 अप्रैल अधिकारी/कर्मचारियों के लिए आत्ममंथन करने का दिन है। लोक सेवकों को सोचना चाहिए कि सालभर में उन्होंने जनसेवा और प्रशासन की मजबूती के लिए क्या अच्छा किया और इसके आगे क्या बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारततन्त्र2047 के मिशन को पूरा करने में प्रदेश की भूमिका और विकसित मध्यप्रदेश के लिए सभी लोकसेवक कोई कसर

प्रतिबद्ध है और केन्द्रीय दूरसंचार मंत्रालय के साथ भी हम सतत रूप से समर्पक में हैं। केन्द्रीय नीतियों का लाभ लेते हुए मध्यप्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर के विकास के लिए हर जरूरी सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार की नवीन औद्योगिक प्रोत्साहन नीति 2025 के संदर्भ में टेलीकॉम सेक्टर के लिए प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 5जी एवं 6जी इंटरनेट सेवाओं के विकास के लिए हम निवेशकों के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।

जनसेवा का प्रभावी माध्यम

व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. दीपक बागला, राज्य शासन के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारततन्त्र2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य के लोकसेवकों ने अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को संकलित कर शासन के लिए योजना तैयार करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना और विकास में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए



न्यूज गैलरी

इंस्टाग्राम का ब्लेंड फीचर क्या है? जिससे रील्स देखना और भी पर्सनल व मेजदार होगा



नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम आजकल फेसबुक से ज्यादा लोकप्रिय हो गया है। इंस्टाग्राम में काफी एडवांस फीचर्स भी हैं। हाल ही में इंस्टा यूजर्स की सुविधा के लिए एक और फीचर लॉन्च किया है। जिसका नाम ब्लेंड (Blend) है। ये फीचर खासतौर पर उन यूजर्स के लिए बनाया गया है जो अपने दोस्तों के साथ रील्स देखने और शेयर करने का मजा उठाते हैं। Blend फीचर से इंस्टाग्राम का इस्तेमाल अब और भी पर्सनल और मेजदार हो जाएगा। आपको बता दें कि ब्लेंड एक ऐसा फीचर है जिसमें आप और आपका कोई दोस्त एक साथ इंस्टाग्राम रील्स का मजा ले सकते हैं। आप अब किसी के साथ भी ब्लेंड में जुड़ते हैं तो इंस्टाग्राम आपके और उस दोस्त की पसंद के हिसाब से रील्स सजेस्ट करता है। इसका मतलब दोनों इंटरैस्ट का मिलाजुला कंटेंट एक फीड में दिखाया जाएगा। अगर आप किसी दोस्त को Blend इनवाइट भेजते हैं। इसके बाद जब वो इनवाइट एक्सेप्ट कर लेता है तो दोनों के लिए एक स्पेशल रील्स फीड बन जाती है। इसमें दोनों की पसंद के हिसाब से वीडियो दिखते हैं। ब्रदरटुस फीड को आप चैट के जरिए एक्सेस कर सकते हैं।दोस्तों के साथ ब्लेंड शेयर करने और देखने का नया एक्सपीरियंस मिलेगा। Blend फीचर से इंस्टाग्राम का एक्सपीरियंस और ज्यादा खास और पर्सनल हो जाएगा। जब आप दोनों को एक जैसे या अजीब रील्स दिखें, तो चैट में बातचीत और हंसी-मजाक का मौका बढ़ेगा।

भारतीय शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स ने लगाई जबरदस्त छलांग

मुंबई । सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को घरेलू बेचमार्क हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी, पीएसयू बैंक और फाइनेशियल सर्विसे सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.29 बजे सेंसेक्स 396.06 अंक या 0.50 प्रतिशत बढ़कर 78,949.26 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 98.20 अंक या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 23,949.85 पर था। निफ्टी बैंक 862.25 अंक या 1.59 प्रतिशत बढ़कर 55,152.45 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 233.50 अंक या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 52,891.30 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 50.15 अंक या 0.31 प्रतिशत चढ़कर 16,460.35 पर था। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, सकारात्मक शुरुआत के बाद, निफ्टी को 23,700 पर समर्थन मिलने की संभावना है, उससे पहले 22,600 और 22,500 पर समर्थन मिल सकता है। ऊपर की ओर, 24,000 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, उसके बाद 24,200 और 24,500 स्तर पर प्रतिरोध हो सकता है। चॉइस ब्रोकिंग के मंदार भोजने ने कहा, बैंक निफ्टी चार्ट 54,000 पर संभावित समर्थन का संकेत देते हैं, उसके पहले 53,700 और 53,500 पर समर्थन मिल सकता है। अगर सूचकांक ऊपर जाता है तो 54,500 पर प्रतिरोध हो सकता है, जिसके बाद 54,700 और 55,000 स्तर पर प्रतिरोध हो सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि बड़े प्राइवेट बैंक बढ़त हासिल कर नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। सप्ताह के अंत में बैंक के तिमाही नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे और बाजार को ऊपर ले जाने में मददगार रहे। एचडीएफसी सिस्कोरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा कि जैसे-जैसे अर्निंग सीजन आगे बढ़ेगा, बाजार प्रतिभागी कॉर्पोरेट कमेट पर नजर बनाए रखेंगे ताकि यह जांचा जा सके कि कंपनियां नई टैरिफ व्यवस्था को किस तरह अपनाती हैं और वे वे सप्लाई चेन और कस्टमर बेस को लेकर किस तरह की प्रतिक्रिया देती हैं।

लागत में स्थिरता और मजबूत मांग के चलते वित्त वर्ष 26 में मार्जिन में सुधार का समर्थन करेंगे

भारत की पेपर इंडस्ट्री : वित्तीय वर्ष 2025-26 रिकवरी में आएगी तेजी

मुंबई । भारत की पेपर इंडस्ट्री में वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत रिकवरी देखने को मिल सकती है। साथ ही, मार्जिन में भी सुधार होगा। यह जानकारी सोमवार को एक रिपोर्ट में दी गई है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों में कच्चे माल की लागत में इजाफा होने और आयात बढ़ने के कारण पेपर इंडस्ट्री को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वुड पल्प की कीमतों में स्थिरता और आयात में कमी के कारण वित्त वर्ष 26 में पेपर इंडस्ट्री के ऑपरेटिंग मार्जिन में लगभग 2 प्रतिशत का सुधार होने का अनुमान है।रिपोर्ट में बताया गया कि पेपरबोर्ड और पैकेजिंग सेगमेंट, जिसका योगदान वित्त वर्ष 24 में इंडस्ट्री की आय में 5.5 प्रतिशत का था, में ई-कॉमर्स के बढ़ते चलन और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण 8.2



प्रतिशत की वृद्धि हुई।इसके अतिरिक्त, प्रिंटिंग और राइटिंग पेपर सेगमेंट को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा पर बड़े हुए सरकारी खर्च से लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे इंडस्ट्री लंबी अवधि में विकास के लिए

तैयार है। केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर डी नवीन कुमार ने कहा, भारतीय पेपर इंडस्ट्री एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। बढ़ते आयात और कच्चे माल की लागत में मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियों ने वित्त वर्ष 24

और वित्त वर्ष 25 के पहले 9 महीनों में मार्जिन को प्रभावित किया है, लेकिन यह क्षेत्र सुधार के लिए तैयार है। लागत में स्थिरता और मजबूत मांग के चलते वित्त वर्ष 26 में मार्जिन में सुधार का समर्थन करेंगे।उन्होंने आगे कहा,

कंपनियों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आधुनिकीकरण, लागत अनुकूलन और टिकाऊ पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 24 में आयात में लगातार वृद्धि ने घरेलू मैनुफैक्चरिंग पर दबाव बढ़ा दिया था। कम बिक्री मूल्य मिलने और बढ़ती इनपुट लागत से वित्त वर्ष 25 में घरेलू पेपर कंपनियों की आय 3-4 प्रतिशत गिरने का अनुमान है। अन्य इंडस्ट्री की बढ़ती मांग और कोविड-19 के दौरान वृक्षारोपण गतिविधि में कमी के कारण घरेलू लकड़ी की कीमतें उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 के पहले 9 महीनों में हार्डवुड पल्प की कीमतों में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सस्ते आयात से प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू मैनुफैक्चर्स को इन बढ़ी हुई लागतों को ग्राहकों को पास करने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा था।

वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगी

द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 20-25 अप्रैल के बीच अमेरिका दौरे पर रहेंगी, जहां वह कई बहुपक्षीय संवादों में भाग लेंगी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई। वित्त मंत्री सीतारमण का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अपने अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन डीसी जाएंगी।

सैन फ्रांसिस्को में, वित्त मंत्री सीतारमण स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट सेशन होगा। वित्त मंत्री निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड मैनेजमेंट फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित



शीर्ष आईटी फर्मों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी।

मंत्रालय ने कहा कि वह सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों से जुड़े एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। वाशिंगटन डीसी में,

वित्त मंत्री सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों की दूसरी और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठकों, विकास समिति के पूर्ण अधिवेशन, आईएमएफसी के पूर्ण अधिवेशन और

जीएसडीआर बैठक में भाग लेंगी। इन बैठकों के साइडलाइन में वित्त मंत्री कई देशों के समकक्षों के साथ बैठक भी करेंगी, जिसमें अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका का नाम शामिल है। इसके अलावा वित्त मंत्री 26-30 अप्रैल के बीच पेरू का दौरा करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान वित्त मंत्री पेरू के राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे और प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मुलाकात करने के अलावा, पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। साथ ही, सीतारमण स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत कर सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस को मिला 3.67 करोड़ रुपये का जीएसटी डिमांड नोटिस

मुंबई । आईसीआईसीआई फूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी को 3.67 करोड़ रुपये का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) डिमांड नोटिस मिला है। कंपनी ने आगे कहा कि यह नोटिस मुंबई के जीएसटी कमीशनर (अपील) की ओर से दिया गया है। यह नोटिस सर्विस टैक्स क्रेडिट पर विवाद से संबंधित है जिसे कंपनी ने 2017 में जीएसटी सिस्टम लागू होने पर कैरी फॉरवर्ड किया था। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, कंपनी को 17 अप्रैल को मुंबई के सीजीएसटी एवं सेंट्रल एक्साइज (अपील) कमीशनर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें टैक्स डिमांड को बरकरार रखा गया है। इससे पहले, 2 जुलाई, 2024 को मुंबई में स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) विभाग ने एक आदेश पारित कर उस सर्विस टैक्स क्रेडिट के हिस्से को अस्वीकार कर

दिया था, जिसे कंपनी ने 2017-18 वित्तीय वर्ष के दौरान जीएसटी फ्रेमवर्क में ट्रांसफर कर दिया था। इसके बाद आईसीआईसीआई फूडेंशियल ने जीएसटी कमीशनर के पास अपील की। हालांकि, कंपनी को अब फिर से जीएसटी डिमांड नोटिस दे दिया गया है, जिसमें देनदारी के साथ जुर्माने की राशि भी शामिल है। आईसीआईसीआई फूडेंशियल इश्योरेंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी को 17 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2.22 बजे, मुंबई के सीजीएसटी और सेंट्रल कस्टम कमीशनर (अपील) से टैक्स डिमांड नोटिस में 1.83 करोड़ रुपये की टैक्स देनदारी है, जबकि इतनी ही राशि का जुर्माना है, जिसके कारण कंपनी को 3.67 करोड़ रुपये टैक्स नोटिस दिया गया है।

कंपनी ने कहा, हम घोषणा करते हैं कि

किफायती सीएनजी और पीएनजी उपलब्ध कराने उठाए जा रहे जरूरी कदम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने घरेलू प्राकृतिक गैस के लिए आवंटन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जरूरी कदम उठाए हैं, जो क्लीन एनर्जी तक पहुंच को बढ़ावा देने, शहरों में एयर क्वालिटी में सुधार और घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के केंद्र के विजन के अनुरूप है। सरकार ने कहा, वाहनों में उपयोग होने वाली सीएनजी और घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाली पीएनजी की उपलब्धता बनाए रखने और उन्हें किफायती बनाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू गैस आवंटन नीति को शुरू किया है।वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) सेगमेंट के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस का



आवंटन दो-तिमाही अग्रिम आधार पर किया जाएगा। आवंटन में अब ओएनजीसी और ओआईएल को दिए गए फील्ड से न्यू वेल गैस (एनडब्ल्यूजी) भी शामिल होगी। गैल और ओएनजीसी द्वारा किए गए अनुमानों से सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को अग्रिम रूप से आपूर्ति की जानकारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे

एनडब्ल्यूजी आवंटित करेगा। घरेलू गैस आवंटन में वृद्धि परिवहन और घरेलू खाना पकाने जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।एपीएम गैस और न्यू वेल गैस दोनों की कीमतें भारतीय कस्टड बाल्केट की कीमतों से जुड़ी हैं, जिनका कैलकुलेशन मासिक आधार पर किया जाता है, कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में आई गिरावट के साथ, घरेलू गैस का यह आवंटन सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) उपभोक्ताओं के लिए प्राकृतिक गैस को अधिक किफायती बना देगा। मंत्रालय ने कहा, इन रणनीतिक उपायों से सीजीडी कंपनियों के लिए मांग का अनुमान लगाना आसान हो जाएगा। इससे आपूर्ति में दक्षता बढ़ेगी।

खेल

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी आउट होने के बाद फूट-फूटकर रौने लगे, वीडियो हुआ वायरल

जयपुर । इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 36वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 2 रन के मामूली अंतर से लखनऊ सुपर जायंट्स से हार का सामना करना पड़ा. अपने होम ग्राउंड सवाई मानसिंह, जयपुर स्टेडियम में हार के बावजूद राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने डेब्यू मैच में चमक बिखेरी और पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर आईपीएल में आगाज किया. हालांकि, आउट होने के बाद वो रौते हुए पवेलियन लौटते हुए नजर आए. वैभव सूर्यवंशी लखनऊ के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 20 गेंदों में 34 रन की मनोरंजक पारी खेलने के बाद अपनी आंखों से आंसू पोखते हुए देखे गए. 14 वर्षीय वैभव को राजस्थान रॉयल्स द्वारा इम्पैक्ट प्लेयर

के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया गया था. लक्ष्य का पीछा करने के दौरान शानदार शुरुआत के बाद सूर्यवंशी अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे थे. हालांकि, एडन मार्कराम की गेंद पर वह स्टंप आउट हो गए. इसके बाद वह रौते हुए कैमरे में कैद हो गए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को मेगा निलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था. वह अब आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं. अपने डेब्यू मैच में इस युवा सनसनी ने 20 गेंद में 34 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके जड़े. लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान



ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला

किया. एडन मार्कराम ने 66 (45) रनों की शानदार पारी खेली. एलएसजी के इम्पैक्ट प्लेयर आयुष बदोनी 34 गेंदों पर 50 रनों की नाबाद पारी खेलकर आउट हुए. अंत में अब्दुल समद ने 10 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली और एलएसजी को 180 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। एलएसजी द्वारा दिए गए 181 रन के लक्ष्य के जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 178 रन ही बना सकी और 2 रनों के मामूली अंतर से मैच हार गई. एलएसजी के स्टार तेज गेंदबाज आवेश खान ने आखिरी ओवर में 9 रनों का बचाव किया. आरआर की ओर से यशस्वी जायसवाल (74) टॉप स्कोरर रहे. कप्तान रियान पराग ने 39 रनों की पारी खेली।

धोनी ने आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर दिए संकेत

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस ने चिर-प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। इस जीत के साथ एमआई ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ क्वाइंटस टेबल में छठे स्थान पर छलांग लगाई. वहीं, सीएसके सिर्फ 2 मैचों में जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है. मुंबई से हार के बाद चेन्नई को कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ चौंकाते वाली बातें कहीं, जिसने सभी को चौंका दिया. मैच के बाद सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने कहा, %हमें यह समझने की जरूरत है कि हम सिर्फ इसलिए सफल हैं क्योंकि हम अच्छा क्रिकेट खेलते हैं. हमें ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए. हमें एक बार में एक मैच खेलना होगा और अगर हम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाते हैं, तो हमें अगले सीजन के लिए अपनी रणनीति के बारे में सोचना होगा%. आगामी सीजन के बारे में बात करते हुए धोनी ने संकेत दिया है कि वह आईपीएल 2026 में भी खेल सकते हैं. इसका



मतलब यह है कि उन्होंने अभी तक संन्यास का कोई संकेत नहीं दिया है, जो उनके फैसले के लिए खुशी की बात है। मैच के बाद धोनी ने कहा कि हमने औसत से थोड़ा कम स्कोर बनाया. मुंबई ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी जल्दी शुरू की. हमें शुरू में ही स्ट्रॉंग शॉट खेलना चाहिए था. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और हम कभी भी लड़ने लायक स्कोर नहीं बना सके. यदि आप पहले 6 ओवरों में अधिक रन बनाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि गेंद बड़े पर ठीक से आ रही है. इस हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना काफी कम हो गई है। मैच की बात करें तो, चेन्नई सुपर किंग्स ने

टॉस हार पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में (176/5) का स्कोर बनाया. सीएसके के टॉप ऑर्डर ने एक बार फिर निराश किया. हालांकि, रविंद्र जडेजा (53) और शिवम दूबे (50) के शानदार अर्धशतकों को मदद से सीएसके ने 176 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। 177 रन के लक्ष्य का पीछे करते हुए मुंबई इंडियंस ने 15.4 ओवर में धमाकेदार जीत हासिल की. स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंद में 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से 76 रनों की नाबाद पारी खेली. सूर्यकुमार यादव भी 30 गेंद में ताबड़तोड़ 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।



